जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 136
दिनांक 18.11.2021

नाबार्ड जनेकृविवि के जवाहर मॉडल को प्रदेशभर में फैलायेगा
नाबार्ड टीम का जनेकृविवि दौरा

जबलपुर 18 नवम्बर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की टीम ने आज जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रक्षेत्रों, प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान केन्द्रों का भ्रमण किया और कृषकोन्मुखी जानकारी एकत्रित की। नाबार्ड की चीफ जनरल मैनेंजर श्रीमति टी.एस. रजनी गेंन ने जवाहर मॉडल में खास रूचि दिखाई। जनेकृविवि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस द्वारा विकसित इस मॉडल में बोरे में मिट्टी भरकर 29 प्रकार की फसलों की खेती की जाती है। उन्होंने इस मॉडल को नाबार्ड के माध्यम से प्रदेशभर में खासकर किसानों के खेतों तक ले जाने की बात कही। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने टीम को बताया कि विवि द्वारा 16 प्रकार के जैव उरर्वक बनाये जा रहे हैं। भारत के 12 राज्यों में इनका उपयोग किया जा रहा है। कृषकों की आय को दुगना करने अनेक कार्य योजनायें तैयार की गईं हैं।

मृदा विज्ञान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एच.के. राय ने बताया कि उरर्वकों के अंधाधुंध प्रयोग से कैंसर जैसी घातक बिमारी होने का खतरा बढ गया है। उरर्वकों के उचित प्रबंधन और नेचुरल रिसोर्स का उपयोग कर बिगडते पर्यावरण को सुधार सकते हैं। संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान ने कहा कि उच्च गुणवत्ता युक्त बीज का उत्पादन रोजगार का जरिया बन सकता है। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस, डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी एवं डॉ. आशीष कुमार औषधीय पौधे, जैव उरर्वक उत्पादन अनुसंधान एवं बीज प्रौद्योगिकी अनुसंधान की जानकारी दी। इस दौरान अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा, नाबार्ड के जनरल मैनेंजर श्री एस.के. तालुकदार आदि उपस्थित रहे। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अपूर्व गुप्ता ने संचालन एवं जिला विकास प्रबंधक खालिद अंसारी ने आभार व्यक्त किया।

—000—